'वायु शक्ति' अभ्यास

यूक्रेन में गहराते संकट के बीच **भारतीय वायु सेना** (IAF) ने अपने अभ्यास- 'वायु शक्ति' को स्थगित करने का फैसला किया है।

- यह अभ्यास राजस्थान के पोखरण पर्वतमाला में आयोजित किया जाना था। वायु शक्ति का अंतिम संस्करण फरवरी 2019 में आयोजित किया गया था।

'वायु शक्ति' अभ्यास के विषय में:

- यह प्रति तीन वर्ष में एक बार आयोजित होने वाला त्रैवार्षिक अभ्यास है। इसका उद्देश्य पूर्ण स्पेक्ट्रम संचालन के लिये भारतीय वायुसेना की क्षमता का प्रदर्शन करना है और विमान एवं हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान एवं मानव रहित हवाई वाहनों की भागीदारी प्रदर्शित करना है।
- IAF इन्वेंट्री में शामिल फ्रंटलाइन एयरक्राफ्ट हैं:
    - रूसी एसयू-30एमकेआई **और मिग-29यूपीजी लड़ाकू विमान**
    - फ्रेंच राफेल **और मिराज 2000**
    - **अमेरिकी C-130 और C-17 परिवहन विमान,** AH-64E अपाचे हेलीकॉप्टर **और CH-47F चिनूक हेलीकॉप्टर**
    - **स्वदेशी** हल्के लड़ाकू विमान (तेजस)**,** उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (ध्रुव) और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर।

स्रोत- द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/exercise-vayu-shakti